कुमार जीवन - 80

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों से :-** मधुबन के भी कुमार हैं। देखो, कुमारों की संख्या देखो कितनी है? आधा क्लास तो कुमारों का है। कुमार अभी साधारण कुमार नहीं हैं। अभी कुमारों का टाइटल हैं, कौन-से कुमार हो? ब्रह्माकुमार तो हो ही। लेकिन ब्रह्माकुमारों की विशेषता क्या है? कुमारों की विशेषता है कि सदा **जहाँ भी अशान्ति होगी उसमें शान्ति फैलाने वाले शान्तिदूत हैं।** न मन की अशान्ति, न बाहर की अशान्ति। कुमारों का कार्य ही है मुश्किल काम करना, हार्ड वर्कर होते हैं ना! तो आज सबसे हार्ड में हार्ड वर्क है - अशान्ति को मिटाए शान्ति दूत बन शान्ति फैलाना। ऐसे कुमार हो? हो? अशान्ति का नाम निशान नहीं रहे। ऐसे शान्तिदूत हो? न विश्व में, न आपके सम्बन्ध सम्पर्क में। शान्तिदूत, जैसे आग बुझानेवाले कहाँ भी आग होगी तो आग बुझयेंगे ना। तो शान्तिदूत का कार्य ही है अशान्ति को शान्ति में बदलना। तो शान्तिदूत हो ना! पक्का! पक्का? पक्का?

➳ _ ➳ बहुत अच्छा लग रहा है, बापदादा इतने कुमारों को देख खुश होते हैं। पहले भी बापदाा ने प्लैन दिया था कि दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा कुमार, जो गवर्मेन्ट समझती है कुमार अर्थात झगड़ा करने वाले, डरती है कुमारों से। ऐसे डरने वाली गवर्मेन्ट, हर ब्रह्माकुमार का शान्तिदूत के टाइटल से स्वागत करें, तब है कुमारों की कमाल। सारे विश्व में छा जावें कि ब्रह्माकुमार शान्तिदूत हैं। हो सकता है ना? दिल्ली में करना। करना है ना - दादियाँ करेंगे? इतने कुमार हैं, एक ग्रुप में इतने हैं तो सभी ग्रुप में कितने होंगे? विश्व में कितने होंगे? (लगभग 1 लाख) तो करो कमाल कुमार। गवर्मेन्ट में जो कुमारों के प्रति उल्टा भरा हुआ है वह सुल्टा कर दो। लेकिन मन में अशान्ति नहीं। साथियों में भी अशान्ति नहीं और अपने स्थान पर भी अशान्ति नहीं। अपने शहर में भी अशान्ति नहीं। बस कुमारों के चेहरे में बोर्ड लगाने की ज़रूरत नहीं लेकिन **मस्तक में ऑटोमेटिकली लिखा हुआ अनुभव हो कि यह शान्तिदूत हैं।** ठीक है ना! **(30-11-2002)**

➢➢ शांति की शक्ति

➳ _ ➳ अशान्ति की तुलना हमेशा आग से की जाती है

→ दूसरी आत्माओं को शांत करने से पहले

- हमें अपने अंतर्मन को शांति से भरपूर करना होगा

→ तीनो सत्ताओं में आग लगी हुई है

- राज सत्ता
- धर्म सत्ता
- विज्ञान सत्ता

➳ _ ➳ शांति हमारी पात्रता है

→ शांति हमारा स्वधर्म है

- हमें किसी से शांति मांगनी नहीं है
  - अपितु स्वयं को अपने स्वधर्म में टिकाना है

→ शांति हमारे अन्दर ही है

- हमें बस हमारे अन्दर छिपी हुई शांति पर Focus करना है
- सभी अपेक्षाओं से मुक्त हो जाओ... किसी से प्रेम भी नहीं माँगना है
  - स्वयं ही शांत हो जाओगे
- सम्पूरण रूप से समर्पित हो जाना अर्थात
  - सम्पूरण रूप से शांत हो जाना
  - राज़ी तेरी रजा में
- जब सभी चाहनाओ से मुक्त हो जाओगे तो
  - सब कुछ चरणों में आकर गिरेगा
- आप जो चीज मांग रहे हो... उस चाह से मुक्त हो जाओ
  - वह आपके पीछे पीछे आएगी